ISSN 0973-8541, HUMANITIES AND DEVELOPMENT, VOL.19, No.3, July – Sept. ,2024/35

सुकन्या समृद्धि योजना से निवेशकों में संतुष्टि के स्तर का एक अध्ययन

शोधार्थी–मीना देवी, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर,
शोध निर्देशिका –प्रो0 डॉ0 अर्चना चौधरी, ज्वाला देवी विद्या मंदिर कॉलेज, कानपुर।
https:// 10.61410/had.v19i3.202

सारांश :–इस अध्ययन का उद्देश्य सुकन्या योजना (SSY) के माध्यम से निवेशकों में संतोष के स्तर का विश्लेषण करना है। यह योजना सरकार द्वारा बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शुरू की गयी है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा और विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। अध्ययन में विभिन्न आयु समूहों और लिंग के निवेशकों के बीच संतोष के स्तर को समझने के लिए प्राथमिक डेटा का संग्रह किया गया है।

इस अध्ययन में 138 उत्तरादाताओं से डेटा एकत्र किया गया, जिसमें मुख्य रूप से महिलाओं की भागीदारी रही। परिणामें से यह स्पष्ट हुआ कि अधिकांश उत्तरदाता इस योजना के तहत् बच्चों की उच्च शिक्षा को प्राथमिकता देते हैं, इसके बाद बच्चों की शादी और कर लाभ महत्वपूर्ण कारण रहे। इसके अतिरिक्त, तनाव मुक्त निवेशकों के संतोष में योगदान करती है। साथ ही यह पाया गया कि निवेशकों में इस योजना के प्रति जागरूकता के स्तर में वृद्धि हुई है, जो विभिन्न स्रोतों जैसे डाकघर, मल्टीमीडिया, और व्यक्तिगत संबंधों के माध्यम से प्राप्त जानकारी के कारण है। अध्ययन के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि सुकन्या समृद्धि योजना में निवेशकों की संतुष्टि का स्तर उच्च है, और यह योजना विशेष रूप से महिलाओं के बीच वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इस अध्ययन से यह भी संकेत मिलता है कि सुकन्या समृद्धि योजना को और अधिक जागरूकता कार्यक्रमों और शिक्षा संबंधी पहलों के माध्यम से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि अधिक लोग इसके लाभों से अवगत हो सके और अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें।

कुंजी शब्द : सुकन्या समृद्धि योजना, बालिका सशक्तीकरण, शिक्षा के लिए बचत, वित्तीय समावेजशन, निवेशक व्यवहार, कर लाभ, आवश्यकता और जागरूकता, सामाजिक–आर्थिक, पृष्ठभूमि, डाकघर, बचत योजनाएँ, महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता

परिचय : सरकारी योजनाएँ सरकार द्वारा नागरिकों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए शुरू की जाती हैं। ये योजनाएँ देश के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पहलुओं में सुधार लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, और इसलिए इनके प्रति जागरूकता होना किसी भी 'सक्रिय नागरिक' के लिए बहुत जरूरी है। यह जागरूकता न केवल समाज में भागीदारी को बढ़ाती है, बल्कि नागरिकों को सरकार द्वारा प्रदान किए जा रहे लाभों से भी अवगत कराती है। इन योजनाओं की जानकारी और समझ को मापने के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और साक्षात्कारों में 'सरकारी योजनाओं से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं ताकि यह देखा जा सके कि उम्मीदरवार समाज और देश के प्रति कितना जागरूक है। (रोस्लिन, एस. और रागवर्षिणी , के.पी. 2023।

सुकन्या समृद्धि योजना : सुकन्या समृद्धि योजना भारत में बालिकाओं के लिए सबसे लोकप्रिय बचत योजनाओं में से एक है। इस योजना की शुरूआत 22 जनवरी 2015 को हरियाणा के पानीपत में नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा की गई थी। यह योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं, अभियान का हिस्सा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करना और उनकी शिक्षा और विवाह के लिए धन जुटाना है।

इस योजना के अन्तर्गत, बालिका के अभिभावक या माता–पिता उसके नाम पर खाता खोलते हैं, जिसे बालिका की उच्च शिक्षा या विवाह के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस योजना के माध्यम से माता–पिता या अभिभावक अपनी बालिका के भविष्य के लिए छोटी–बड़ी धनराश्शि बचा सकते हैं। वर्तमान में, सरकार ने डाकघर और वाणिज्यिक बैंकों को सुकन योजना के खाते खोलने के लिए अधिकृत किया है। यह योजना बालिकाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है और उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करती है। सरकार ने डाकघर और वाणिज्यिक बैंकों को सुकन्या समृद्धि योजना के खाते खोलने के लिए अधिकृत किया है। इस योजना के तहत् 1.26 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं, जिसमें 19,183 करोड़ रुपये की राशि सुनिश्चित की गयी है।

सुकन्या समृद्धि योजना के लिए पात्रता (सं अरूणप्रिया और रेवती, एन0 2020)

1. बालिका की आयु खाता खोलते समय 10 वर्ष से कम होनी चाहिए।
2. एक बालिका के लिए एक से अधिक खाता नहीं खोला जा सकता।
3. खाता बालिका के माता–पिता या अभिभावक द्वारा खोला जा सकता है। यदि दूसरी संतान जुड़वा बालिकाएँ है, तो इस योजना के तहत् तीन खाते खोलने की अनुमति है।

इस योजना के कुछ प्रमुख लाभ इस प्रकार हैं :–

1. **करबचत :–** लोगों को सुकन्या समृद्धि योजना के तहत् खाते खोलने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार ने इस खाते में किए गए योगदान को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा–80C के तहत् करमुक्त कर दिया है। यह योजना तीन प्रकार की छूट (EEE: Exempt-Exempt-Exempt) के तहत् आती है, जिसमें निवेश, अर्जित ब्याज और निकासी सभी कर–मुक्त होती हैं। यी इसे कर की दृष्टि से एक अत्यन्त लाभदायक योजना बनाती है।
2. **परिपक्वता अवधि की गारंटी :** सुकन्या समृद्धि योजना के परिपक्व होने पर खाते में जमा शेष राशि और अर्जित ब्याज सीधे बालिका का पॉलिसीधारक को भुगतान किया जाता है। इससे बालिका को वित्तीय रूप से स्वतंत्र और सशक्त होने में मदद मिलती है, ताकि वह अपने जीवन के निर्णय खुद ले सके। एक और फायदा यह है कि खाते में जमा धन पर परिपक्वता के बाद भी चक्रवृद्धि ब्याज मिलता रहता है, जब तक कि खाता बन्द न हो जाए।
3. **उच्च ब्याज दर :** सुकन्या समृद्धि योजना की ब्याज दर अन्य सरकारी योजनाओं की तुलना में अधिक होती है। इस समय यह ब्याज दर 7.6% प्रति वर्ष है, जो इसे बालिकाओं के लिए अएक आकर्षक और लाभदायक योजना बनाती है।
4. **लॉक–इन अवधि :** इस खाते की परिपक्वता अवधि खाता खोलने की तारीख से 21 साल होती है, या बालिका की शादी होने तक, जो भी पहले हो। हालांकि बालिका की शादी 18 साल की उम्र के बाद होनी चाहिए। शादी के बाद, खाता संचालित नहीं किया जा सकता है।
5. **शिक्षा के खर्च को पूरा करना :** बालिका की उच्च शिक्षा के खर्च को पूरा करने के लिए खाते से पिछले वित्तीय वर्ष के अंत तक की जमा राश्शि का 50% निकाला जा सकता है। बशर्ते कि प्रवेश का प्रमाण प्रस्तुत किया जाए।
6. **सरल और किफायती जमा :** इस योजना के तहत् न्यूनतम 250 रुपये प्रति वर्ष जमा करना आवश्यक है, और प्रति वित्तीय वर्ष अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक जमा किया जा सकता है। यह इसे समाज के सभी वर्गों के लिए किफायती बनाता है।
7. **ट्रांसफर की सुविधा :–** सुकन्या समृद्धि योजना का खाता किसी भी डाकघर से बैंक या बैंक से डाकघर में भारत में कहीं भी स्थानान्तरित किया जा सकता है, जो इसे और भी अधिक सुविधाजनक बनाता है।

समस्या का विवरण :

आज की जिंदगी में बचत हर किसी के लिए महत्वपूर्ण है। यह हर व्यक्ति की जीवन शैली पर निर्भर करती है। सरकार ने डाकघर और बैंकों में बालिकाओं के भविष्य के लिए कई बचत योजनाएँ शुरू की हैं। सुकन्या समृद्धि योजना इनमें से एक महत्वपूर्ण योजना है। मुख्य समस्या यह है कि अशिक्षित लोग सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के बारे में जागरूक नहीं हैं। ब्याज दरों की स्पष्टता और योजना के तहत् ऋण की अनुपलब्धता भी एक समस्या है। अधिकतम खातों की संख्या खोलने में भी कठिनाई है। निवेशक केवल परिपक्वता से पहले आधी राशि प्राप्त कर सकते हैं, शेष राशि परिपक्वता अवधि पूरी होने के बाद ही जारी की जायेगी। सुकन्या समृद्धि योजना के बारे में खाता धारकों की राय और तिरूपुर के डाकघर की सेवा संतुष्टि का यह अध्ययन किया गया है। उपरोकत समस्याओं के समाधान खोजने के लिए यह अध्ययन किया गया है।

साहित्य की समीक्षा :

मनोज कुमार दास (2010) ने अपने अध्ययन में भारत में पीढ़ियों के निवेश को प्रभावित करने वाले कारकों को विश्लेषण किया और यह निष्कर्ष निकाला कि आधुनिक निवेशक परिपक्व और सही तरीके से प्रशिक्षित व्यक्ति होते हैं। सुरक्षा बाजार में असाधारण वृद्धि और बाजार में गुणवत्ता प्रारम्भिक सार्वजनिक पेशकशों (IPOs) के बावजूद, व्यक्तिगत निवेशक अपने जोखिम की प्राथमिकताओं के अनुसार निवेश करते हैं। उदाहरण के लिए, जोखिम से बचने वाले लोग जीवन बीमा नीतियाँ, बैंक में सावधि जमा, डाकघर बचत, पीपीएफ (सार्वजनिक भविष्य निधि) और एनएससी (राष्ट्रीय बचत प्रमाण–पत्र) जैसे सुरक्षित निवेश्ज्ञ विकल्प चुनते हैं। हालांकि, कुछ तरह के संज्ञानात्मक भ्रम जैसे आत्मविश्वास में अति और संकीर्ण फ्रेमिंग की स्थिति में फंसे होते हैं। लेकिन वे किसी प्रकार के निवेश लेनदेन को निष्पादित करने से पहले कई कारकों पर विचार करते हैं और विविध जानकारी प्राप्त करते हैं।

प्रशांत कुमार मिश्रा और मनोज कुमार दास (2010) ने अपने पेपर ''भारत में पीढ़ियों के निवेश निर्णय को प्रभावित करने वाले कारकः एक आर्थिक अध्ययन'' में उन प्रमुख कारकों का पता लगाया है जो निवेश व्यवहार को प्रभावित करते हैं और किस प्रकार ये कारक निवेश जोखिम सहनशीलता और निर्णय लेने की प्रक्रिया पर प्रभाव डालते हैं, विशेष रूप से विभिन्न आयु समूहों में। उन्होंने बताया कि भले ही व्यक्ति हर पहलू में समान हो सकते हैं, यहां तक कि पड़ोसी भी हो सकते हैं, लेकिन उनकी वित्तीय योजनाओं की जरूरतें बहुत भिन्न होती है। अलग–अलग आयु वर्ग और लिंग के बीच के इस तालमेल से निवेशकों के बीच समन्वय उत्पन्न होता है। अध्ययन निष्कर्ष निकालता है कि निवेशकों की जोखिक उठाने की क्षमता को प्रमुख रूप से उनकी आयु और लिंग निर्धारित करते हैं।

वी0अलागु पंडियन और जी0 थंगादुरई (2013) ने अपने अध्ययन में पाया कि निवेश के मुख्य पहलू हैं : मुख्य राशि की सुरक्षा, तरलता, आय की स्थिरता, मूल्य वृद्धि और आसानी से हस्तांतरणीयता। निवेश कई विकल्प उपलबध हैं जैसे शेयर, बैंक, कंपनियाँ, सोना और चांदी रियल एस्टेट, जीवन बीमा, डाकघर बचत आदि। सभी निवेशक अपनी बचत राशि को उपरौकत विकल्पों में उनके जोखिम लेने की क्षमता के आधार पर निवेश करते हैं। निवेशक जोखिम से बच नहीं सकते हैं, लेकिन वे अपने धन को विभिन्न प्रकार के निवेशों में लगाकर जोखिम को कम कर सकते हैं। ताकि उन्हें मध्यम लाभ प्राप्त हो सक। इसलिए, शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश निवेशक बैंक जमा को प्राथमिकता देते हैं, इसके बाद सोने में निवेश आता है।

डॉ0 के0 सेंथिल कुमार और डॉ0 देस्टी कांधिया (2015) ने अपने अध्ययन में निवेश विकल्पों और उन्हें चुनने के मानदंण्डों को विश्लेषण किया। शोध में पाया गया कि आयकर लाभ, नियमित आय, तरलता, और उच्च रिटर्न दर निवेश और बचत के लिए महत्वपूर्ण मानदंड हैं।

टी0 तमिल सेल्वी (2015) ने अपने अध्ययन में विभिन्न निवेश विकल्पों का विश्लेषण किया, जहाँ प्रत्येक विकल्प से मिलने वाले जोखिम और रिटर्न एक दूसरे से भिन्न होते हैं। निवेशक अपेक्षाकृत कम जोखिम के साथ अधिक रिटर्न चाहते हैं। अध्ययन में निवेशकों की निवेश दृष्टिकोण का विश्लेषण किया गया।

बी0 सरन्या और जी0बी. कार्तिकेयन (2015) ने निष्कर्ष निकाला कि बचत सभी मानव समाजों में आम है, भले ही बचत प्रथाएँ एक दूसरे से भिन्न हों। भारत में निवेश के कई विकल्प उपलब्ध हैं जो निवेशकों की विभिनन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। बचत योजनाओं के बारे में निवेशक की जानकारी का उनके बचत व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। जिन लोगों की उस योजना के प्रति सकारात्मक धारणा होती है जिसमें उन्होंने निवेश किया होता है, वे उसी योजना में निवेश करना जारी रखते हैं। अध्ययन से पता चला कि उम्र, अनुभव और कर भुगतान जैसी बातें निवेशकों की धारणा को प्रभावित करती हैं और इसका बचत उद्दश्यों और व्यक्तियों के व्यवहार से संबंध है। परिणामें से यह भी स्पष्ट हुआ कि यदि लोगों को उनके निवेश के दौरान अच्छी सेवा और अच्छा रिटर्न मिलता है, तो उनकी धारणा सकारात्मक रहती है, अन्यथा नकारात्मक धारणा बनी रहती है।

डॉ0 विनोद कुमार शर्मा (2015) ने सुकन्या समृद्धि योजना खाता योजना का SWOT (ताकत, कमजोरी, अवसर, और खतरे) विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि यह योजना शेयर बाजार या म्यूचुअल फंड जैसे पर्याप्त रिर्टन प्रदान नहीं करती है, लेकिन यह एक कम या शून्य जोखिम वाली निवेश योजना है।

एस0 मथुमिता (2015) ने पेपर में बताया कि पोस्टल सेविंग्स उन जमाकर्ताओं पर प्रभाव डालती है जिन्हें बैंकों तक पहुँच नहीं होती और यह गरीबों के बीच बचत को प्रोत्साहित करती है। निवेश संस्कृति का तात्पर्य उन दृष्टिकोणों, धारणाओं और इच्छाओं से है जिनके माध्यम से व्यक्ति और संस्थाएँ अपने धन को विभिन्न वित्तीय सम्पत्तियों में निवेश करते हैं, जिन्हें निवेश या डाकघर बचत के रूप में जाना जाता है।

रजत देव (2016) ने कहा कि भारत के विभिन्न हिस्सों में सफलतापूर्वक लागू किए गए वित्तीय समावेशन मॉडल उत्तर पूर्व भारत में प्रगति नहीं कर सक। इस अध्ययन से सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) के तहत् बचत के निर्धारकों की जांच करने का प्रयास किया गया, जो भारत सरकार द्वारा बालिकाओं के कल्याण के लिए शुरू की गई एक औपचारिक वित्तीय समावेशन योजना है। अध्ययन का क्षेत्र त्रिपुरा के आठ जिलों तक सीमिति था, जो उत्तर–पूर्व भारत के राज्यों में से एक है। इस अध्ययन के लिए 225 उत्तरदाताओं से साक्षात्कार लेकर डेटा एकत्र किया गया, जिनके घर में 10 वर्ष से कम आयु की एक बालिका थी। परिणामों से यह स्पष्ट हुआ कि SSY योजना में निवेश करने के निर्णय को प्रभावित करने वाले मुख्य कारक थेः लिंग, उम्र, आय का स्तर, परिवार की आकार, वित्तीय साक्षरता, आय की अनिश्चितता और बालिक की शिक्षा, विवाह और घर के लिए योजना बनाना।

अवाइस एम, लैबर एफ, राशीद एन और खुर्शीद ए (2016) ने अपने अध्ययन में उन कारकों का पता लगाया जो निवेशकों के निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। उनके शोध के अनुसार निवेशकों के निर्णय जोखिम कारकों की डिग्री पर निर्भर करते हैं। अंततः उन्होंने पाया कि वित्तीय जानकारी के बारे में बढ़ी हुई समझ और उस जानकारी का विश्लेषण करने की क्षमता निवेशकों को जोखिम भरे निवेश में कदम रखने और उच्च रिर्टन अर्जित करने की क्षमता में सुधार करती है। जिससे निवेश प्रबंधन अधिक प्रभावी होता है।

वी0 कामेश्वरी हरिनी और प्राची रामपाल (2016) ने सुकन्या समृद्धि योजना पर अपने अध्ययन में बताया कि यह योजना भारत सरकार की पहल है। यह एक छोटी बचत योजना है, जिसे 22 जनवारी 2015 को हरियाणा के पानीपत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया था। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं' कार्यक्रम के तहत् बालिका की समृद्धि के एि बनायी गयी है। इस योजना का उद्देश्य भारत में बालिकाओं के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करना है, जिसमें शिक्षा और विवाह के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह योजना देश के आर्थिक विकास का सर्मथन करती है, विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देकर। यह महिलाओं की साक्षरता दर में वृद्धि करती है, जो लोगों की आय और जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद करती है। यह योजना देश के समग्र विकास की ओर ले जाती है, क्योंकि बालिकाओं की शिक्षा जनसंख्या में कमी लाने में भी मदद करती हैं। इस पेपर का उद्देश्य सुकन्याय समृद्धि योजना अवधारणा और लाभोां का अध्ययन करना है।

मणिकंदन ए0 और डॉ0 मुथु मीनाक्षी एम0 (2017) ने पाया कि निवेश के सभी विकल्प निवेशकों द्वारा जोखिम भरे माने जाते हैं। निवेश के मुख्य विशेषताएँ हैं : प्रमुख राशि की सुरक्षा, तरलता, आय की स्थिरता, अनुमोदन और आसानी से हस्तांतरणीयता। निवेश के विकल्पों में शेयर, बैंक, कंपनियाँ, सोना और चांदी, रियल एस्टेट, जीवन मीमा, डाकघर बचत आदि शामिल हैं। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि अधिकांश लोग घर खरीदने और दीर्घकालिक विकास के लिए बैंक जमा को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन अधिकांश निवेशक म्यूचुअल फंड और शेयरों में निवेश करने के बारे में जागरूक नहीं होते हैं।, क्योंकि निवेश पैटर्न में भ्रम और बहस होती है।

वेंकटचलम वी0 और रविन्द्र कुमार जी0 (2018) अध्ययन में पाया गया कि यह योजना मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपनाई गयी थी। निजी निगम की नीतियां अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान नहीं करती हैं, इसएि जनता इस प्रकार की बचत योजना को प्राथमिकता देती है। इस योजना को चुनने का मुख्य कारण गारंटी और कर छूट था। अध्ययन में यह भी सुझाव दिया गया कि इस योजना के बारे में जागरूकता और विज्ञापन को बढ़ाने की आवश्यकता है।

कामेश्वरी हरिनी और प्राची रामपाल (2018) उन्होंने अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला कि यह योजना बालिकाओं को समर्थन देती है और उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। इस योजना की ब्याज दर हर तिमाही में बदलती है, इसलिए सरकार हर वर्ष ब्याज को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाती है। भारतीय सरकार इस प्रकार की पहलें बेरोजगारी को कम करने के लिए करती है।

रमेश कुमार एन0 (2019) उनके अध्ययन में यहबताया गया कि अधिकांश उत्तरदाताओं को डाकघर द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी नहीं थी। सरकार को जनता के बीच अतिरिक्त जागगरूकता कार्यक्रम और विज्ञापन करने की आवश्यकता है। डाकघर में उत्तरदाताओं को मुख्य समस्या कर्मचारियों की अनुचित प्रतिक्रिया और उन्नत तकनीक की कमी से हो रही है। सरकार को इस मुद्दे को हल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है।

दिव्या बाबूराज (2019) ने अपने अध्ययन में सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) के प्रति संतुष्टि का विश्लेषण किया। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं के साथ भेदभाव और लिंग निर्धारण परीक्षणको रोकना और बालिकाओं के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने पाया कि उत्तरदाताओं ने सुकन्या समृद्धि खाता खोलने और योजना से मिलने वाली सेवाओं के प्रति संतोष व्यक्त किया।

वाणी यू और राम्या केपी (2019) अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया कि सुकन्या समृद्धि योजना का खाता मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा उनके बच्चों की उच्च शिक्षा और विवाह के खर्चों के लिए खोला जाता है। यह योजना निवेशकों को अतिरिक्त तरलता और सुरक्षा प्रदान करती है। इस योजना

की मुख्य कठिनाई दीर्घकालिक निवेश है। इस योजना का उद्देश्य महिला बालिकाओं और उनके माता–पिता को आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान करना है।

बेबी सराया के0 और हमसलक्ष्मी आर0 (2019) : उन्होंने अध्ययन किया कि अधिकांश उत्तरदाता मासिक आय योजना के बारे में जागरूक थे। डाकघरों में जमा करने का मुख्य कारण सुरक्षा और तरलता था। इस योजन ामें निवेश का मुख्य उद्देश्य कर छूट प्राप्त करना और सेवानिवृत्ति के बाद की जिंदगी के लिए बचत करना था।

स0 अरूणप्रिया और रेवती, एन0 (2020) : ने अध्ययन किया कि डाकघर भारतीय देश की रीढ़ हैं। सुकन्या समृद्धि योजना लड़कियों के लिए एक मंच प्रदान करती है। इस पेपर का उद्देश्य सुकन्या समृद्धि योजना के खाता धारकों की जागरूकता स्तर और संतोष को ज्ञात करना है। इस योजना की मुख्य सफलता कर छूट में है, और यह लड़कियों के भविष्य को सुरक्षि करने में भी मदद करती है। अध्ययन की समस्या योजना के बारे में कम जागरूकता थी। निष्कर्ष यह बताने में मदद करेंगे कि सार्वजनिक क्षेत्र में सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूकता का स्तर क्या है। अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि डाकघर विज्ञापन के स्तर में सुधर करे और योजना के तहत् ऋण प्रदान करें।

रोस्लिन, एस0 और गारवर्षिणी, के0पी0 (2023) : ने अध्ययन किया कि सरकारी योजनाएँ नागरिकों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई हैं। ये योजनाएँ देश के विभिन्न सामाजिक–आर्थिक पहलुओं में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, और इसएि किसी भी 'सक्रिय नागरिक' के लिए इनकी जागरूकता आवश्यक है। सुकन्या समृद्धि योजना भारत में सबसे लोकप्रिय बालिका बचत योजनाओं में से एक है। डाकघर और वाणिज्यिक बैंकों को सुकन्या समृद्धि योजना के तहत् खाता खोलने के लिए सरकार द्वारा अधिकृत किया गया है।

कार्यप्रणाली –

अध्ययन का क्षेत्र – अध्ययन का क्षेत्र अम्बेडकरनगर जिले को संदर्भित है।

डेटा विश्लेषण की पद्धति : अनुसंधान पद्धति :

यह अध्ययन वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध डिजाइन पर आधारित है, जो वास्तविक समस्या और स्थिति को प्रदर्शित करने में मदद करता है। प्रस्तुति उपकरणों की मदद से विश्लेषण करने से सटीक जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलती है।

वर्तमान अध्ययन वर्णनात्मक है और इसका उद्देश्य उस पूरे परिघटना को वर्णित करना है जो अध्ययन के अन्तर्गत है। इस अध्ययन में सुविधाजनक सैम्पलिंग विधियों का उपयोग किया गया है। सैम्पल आकार में सुकन्या समृद्धि योजना के खाता धारक विभिन्न प्रकार के उत्तरदाता शामिल हैं। जनसंख्या के उस हिस्से से सैम्पल लिया गया है जो अध्ययन क्षेत्र के पास उपलब्ध था। तिरूपुर जिले से 100 सैम्पल एकत्र किए गए। प्राथमिक डेटा उन उत्तरदाताओं से एकत्र किया गया गया, जिनके पास सुकन्या समृद्धि योजना का खाता है। द्वितीयक डेटा लेखों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और विभिन्न वेबसाइटों से एकत्र किया गया।

इस अध्ययन में एक साधारण डेटा संग्रहण विधि का उपयोग किया गया है, जो साहित्य सर्वेक्षण पर आधारित है। यह अध्ययन वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध डिजाइन पर आधारित है, जो वास्तविक समस्या और स्थिति को चित्रित करने में मदद करता है। प्रस्तुति उपकरणों की मदद से विश्लेषण करने से सटीक जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

तालिका – 1 शिक्षा स्तर

क्रम संख्या	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1	निरक्षर	9	6.5%
2	विद्यालय स्तर	39	28.3%
3	स्नातक	78	56.5%
4	पेशेवर	12	8.7%

तालिका – 2 व्यवसाय

क्रम संख्या	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1	कृषि	14	10.1%
2	निरक्षर	31	22.5%
3	गृहिणी	55	39.9%
4	अन्य	38	27.5%

तालिका – 3 जागरूकता का स्रोत

क्रम संख्या	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
1	मल्टीमीडिया	26	18.8%
2	डाकघर	62	44.9%
3	जागरूकता कार्यक्रम	14	10.1%
4	मित्र और रिश्तेदार	36	26.1%

शिक्षा स्तर : यहाँ, स्नातक श्रेणी में सबसे अधिक 56.5% लोग हैं, जो यह दर्शाता है कि अधिकांश प्रतिभागी शिक्षा के प्रति जागरूक हैं।

व्यवसाय : गृहिणियों की संख्या प्रमुखता से 39.9% है, जो इस बात को दर्शाता है कि यह एक महत्वपूर्ण समूह है।

जागरूकता का स्रोत : डाकघर के माध्यम से जागरूकता सबसे अधिक 44.9% है, जो इस योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद कर रहा है।

आप इन आंकड़ों को अपने वास्तविक डेटा के अनुसार समायोजित कर सकते हैं। यदि आपको और सहायता की आवश्यकता है, तो कृपया बताएं।

शिक्षा स्तर :–

अध्ययन से पता चला है कि 138 उत्तरदाताओं में से 56.5% स्नातक हैं, जो यह दर्शाता है कि प्रतिभागियों में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता का स्तर काफी अच्छा है। इस समूह में 28.3% लोग विद्यालय स्तर की शिक्षा तक पहुंचे हैं। जबकि निरक्षरों की संख्या केवल 6.5% है। यह संकेत देता है कि समाज मे शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है और लोग अपनी बेटियों के भविष्य के लिए बेहतर योजना बनाने के लिए प्रेषित हो रहे हैं। पेशेवर शिक्षा प्राप्त करने वाले 8.7% उत्तरदाता भी इस तथ्य को इंगित करते हैं कि महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने की ओर अग्रसर हैं।

व्यवसाय :

व्यवसाय के दृष्टिकोण से, गृहिणियों की संख्या 39.9% है जो दर्शाता है कि महिलाएँ पारंपरिक भूमिकाओं में भी सक्रिय हैं। कृषि (10.1%) और व्यापार (22.5%) में भागीदारी भी दिखाती है कि महिलाएँ आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हो रही हैं। अन्य (27.5%) श्रेणी में विभिनन पेशेवरों को

शामिल किया जा सकता है, जो संकेत करता है कि महिलाएँ विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि यह दिखाता है कि महिलाएँ अपने परिवारों के आर्थिक विकास में योगदान कर रही हैं।

जागरूकता का स्रोत :

जागरूकता के स्रोतों के संदर्भ में, 44.9% उत्तरदाताओं ने डाकघर को मुख्य स्रोत बताया, जो इस बात को दर्शाता है कि सरकार द्वारा किए गए प्रचार–प्रसार का प्रभाव है। मल्टीमीडिया (18.8%) के माध्यम से भी जागरूकता बढ़ रही है, जबकि मित्रों और रिश्तेदारों के माध्यम से 26.1% लोगों ने जानकारी प्राप्त की। जागरूकता कार्यक्रमों का प्रतिशत 10.1% है, जो दर्शाता है कि ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता है ताकि अधिक से अधिक लोगों का सुकन्या समृद्धि योजना जैसे कार्यक्रमों के लाभों के बारे में जानकारी मिल सके।

ये निष्कर्ष यह स्पष्ट करते हैं कि सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूकता और भागीदारी बढ़ रही है, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में। उच्च शिखा और आर्थिक गतिविधियों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत देती है। इसके अलावा, जागरूकता के स्रोतों में डाकघर की प्रमुखता और मल्टीमीडिया का बढ़ता उपयोग इस योजना की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

तालिका – 4 उत्तरदाताओं का जनसांख्यिकीय प्रोफाइल

क्रम संख्या	विवरण	आवृत्ति	प्रतिशत
लिंग			
1	पुरुष	42	30.00%
2	महिला	96	70.00%
कुल		**138**	**100%**
आयु समूह			
1	18–25 वर्ष	30	21.74%
2	26–30 वर्ष	40	29.00%
3	31–40 वर्ष	34	24.64%
4	40 वर्ष से ऊपर	34	34.64%
कुल		**138**	**100%**

लिंग वितरण :

अध्ययन से यह पता चला कि 42 पुरुष उत्तरदाता थे, जो कुल नमूने का 30% बनाते हैं, जबकि 96 महिला उत्तरदाता 70% हैं। लिंग प्रतिनिधित्व में यह महत्वपूर्ण भिन्नता से यह स्पष्ट होता है कि सुकन्या समृद्धि योजना और इसी तरह की वित्तीय योजनाओं में मुख्य रूप से महिला लाभार्थियों की भागीदारी होती है।

महिला उत्तरदाताओं का उच्च प्रतिशत यह संकेत देता है कि महिलाओं के बीच अपने बच्चों की शिक्षा और विवाह के लिए बचत के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। यह वित्तीय साक्षरता और समर्थन कार्यक्रमों के माध्यम से लड़कियों को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने को भी दर्शाता है।

आयु समूह विश्लेषण :

आयु समूहों का वितरण उन लोगों की जनसांख्यिकी में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है जो योजना के साथ जुड़े हुए हैं। यहाँ एक विस्तृत दृष्टिकोण है :

18–25 वर्ष (21.74%) :– यह आयु समूह युवा माता–पिता को शामिल करता है जो अपनी नवजात या युवा बेटियों के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे दीर्घकालिक लाभों के लिए जल्दी बचत करने के प्रति सक्रिय हैं।

26–30 वर्ष (29.00%) :– यह उन माता–पिता का प्रतिनिधित्व करता है जो अपने करियर में अधिक स्थापित हो गए हैं और परिवार शुरू कर रहे हैं। योजना में उनकी भागीदारी वित्तीय योजना की समझ में वृद्धि को दर्शाती है।

31–40 वर्ष (24.64%) :– इस श्रेणी में उत्तरदाता वे हो सकते हैं जिनके बच्चे शिक्षा की उम्र में पहुँच रहे हैं, जो कि महत्वपूर्ण खर्चों को ध्यान में रखते हुए उनकी वित्तीय योजना की प्रतिबद्धता को उजागर करता हैं।

40 वर्ष से ऊपर (24.64%) :– इस समूह में वे माता–पिता शामिल हो सकते हैं जिनकी बेटियाँ बड़ी हो रही हैं और जो महत्वपूर्ण जीवन आयोजनों, जैसे उच्च शिक्षा या विवाह के लिए तैयारी कर रहे हैं। उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि योजना विभिन्न जीवन चरणों में प्रासंगिक हैं।

कुल मिलाकर अंतर्दृष्टियाँ :–

जनसंख्यीय प्रोफाइल यह दर्शाती है कि सुकन्या समृद्धि योजना एक महत्वपूर्ण वित्तीय उपकरण है जिसका उद्देश्य लड़कियों को सशक्त बनाना और उन्हें शैक्षिक अवसर प्रदान करना है। महिलाओं और युवा माता–पिता की उच्च भागीदारी दीर्घकालिक भविष्यक के लिए वित्तीय योजना की दिशा में एक सकारात्मक बदलाव को दर्शाती है।

यह डेटा नीति निर्माताओं के लिए लक्षित जनसंख्या को बेहतर समझने और जागरूकता अभियानों या आउटरीच कार्यक्रमों को डिजाइन करने में सहायक हो सकता है जो विशेष रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हैं।

चूंकि महिला भागीदारी और जगरूकता में वृद्धि हो रही है, भविष्य के अध्ययन इन प्रवृत्तियों के पीछे के मूल कारणों की खोज कर सकते है, जैसे सामाजिक दबाव, सरकारी पहलों, या शैक्षिक अभियानों का प्रभाव जो लड़कियों के भविष्य के लिए बचत के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं।

अध्ययन के जनसांख्यिकीय निष्कर्ष सुकन्या समृद्धि योजना की प्रभावशीलता को उजागर करते हैं, जो एक विविध समूह के उत्तरदाताओं को आकर्षित करने में सफल रही है, विशेष रूप से महिला लाभार्थियों और युवा माता–पिता पर केन्द्रित। ये अन्तदृष्टियों आगे के शोध और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों को सुधारने के लिए महत्वपूर्ण हैं जो भारत में महिलाओं और लड़कियों के आर्थिक सशक्तिकरण का समर्थन करते हैं।

तालिका – 5 खाता खोलने का उद्देश्य

क्रम संख्या	विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या	कुल अंक
1	बच्चों की उच्च शिक्षा	80	320
2	बच्चों की शादी	30	120
3	कर लाभ	50	200
4	तनाव मुक्त निवेश	28	112
कुल		**138**	**752**

1. **बच्चों की उच्च शिक्षा :** 80 उत्तरदाता (57.97%) ने बताया कि वे सुकन्या समृद्धि योजना का खाता मुख्यतः अपनी बेटियों की उच्च शिक्षा के लिए खोल रहे हैं। कुल अंक 320 दर्शाते हैं कि यह सबसे प्रमुख उद्देश्य है। यह दर्शाता है कि माता पिता अपनी बेटियों के भविष्य को प्राथमिकता देते हैं और शिक्षा को निवेश का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र मानते हैं।
2. **बच्चों की शादी :** 30 उत्तरदाता (21.74%) ने बच्चों की शादी के उद्देश्य से खाता खोला है। कुल अंक 120 दर्शाते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में विवाह पर काफी खर्च होता है, और यह योजना विवाह के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है। हालांकि, यह संख्या अपेक्षाकृत कम हैख् जो यह संकेत देती है कि शैक्षिक जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है।
3. **कर लाभ :** 50 उत्तरदाता (36.23%) ने कर लाभ को एक प्रमुख कारण बताया है। कुल अंक 200 दर्शाते हैं। यह दर्शाता है कि लोग बचत योजनाओं के कर लाभों के प्रति जागरूक हैं, और इसे अपनी वित्तीय योजना में शामिल कर रहे हैं। यह वित्तीय साक्षरता में वृद्धि को भी दर्शाता है।
4. **तनाव मुक्त निवेश :** 28 उत्तरदाता (20.29%) ने तनाव मुक्त निवेश के उद्देश से खाता खोला है। कुल अंक 112 दर्शातें हैं। यह दर्शाता है कि निवेशकों को इस योजना में सुरक्षा और स्थिरता की भावना है, जो दीर्घकालिक वित्तीय योजना के लिए महत्वपूर्ण है।

सामूहिक रूप से, ये आंकड़े स्पष्ट रूप से यह दर्शाते हैं कि सुकन्या समृद्धि योजना मुख्यतः बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए खोली जा रही है। यह दर्शाता है कि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और माता–पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए निवेश करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। कर लाभ भी एक महत्वपूर्ण कारक है, जो यह संकेत देता है कि वित्तीय योजनाओं के बारे में जानकारी और जागरूकता बढ़ रही है।

आवश्यकता इस बात की है कि और अधिक जागरूकता कार्यक्रम और शिक्षा संबंधी पहलें शुरू की जाएं ताकि अधिक लोग इस योजना से लाभ उठा सकें और अपने बच्चों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकें।

निष्कर्ष :– इस अध्ययन का उद्देश्य सुकन्या समृद्धि योजना के अन्तर्गत निवेशकों में संतोष के स्तर का विश्लेषण करना था। अध्ययन के परिणामों से यह स्पष्ट होता है कि सुकन्या समृद्धि योजना न केवल बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एक प्रभावी वित्ती उपकरण है, बल्कि यह निवेशकों के लिए भी संतोषजनक अनुभव प्रदान करती है। अधिकांश उत्तरदाताओ ने योजनाओं के तहत् दी जाने वाली सुरक्षा, उच्च ब्याज दरों और कर लाभों की सराहना की।

अध्ययन में यह भी पाया गया कि निवेशकों की संतोष स्तर में शिक्षा के स्तर, सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि, और योजना के प्रति जागरूकता का महत्वपूर्ण योगदान है। विशेष रूप से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले निवेशक योजना की सुविधाओं और लाभों को बेहतर तरीके से समझते हैं और इससे अधिक संतुष्ट रहते हैं। इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सुकन्या समृद्धि योजना भारतीय महिलाओं के सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अलावा, जागरूकता कार्यक्रमों और वित्तीय शिक्षा के माध्यम से निवेशकों को और अधिक जागरूक करने की आवश्यकता है, ताकि वे इस योजना के पूर्ण लाभ उठा सकें।

भविष्य में, यह आवश्यक होगा कि सरकार और सम्बन्धित संस्थाएँ सुकन्या समृद्धि योजना के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए निरन्तर प्रयास करें, जिससे अधिक से अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकें और अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित कर सकें।

संदर्भ सूची :–

1. **''सुकन्या समृद्धि योजना''।** इंडिया पोस्ट। 30 जून 2015 को मूल से संग्रहित। 2 जुलाई 2015 को प्राप्त किया।
2. **कामेश्वरी हरिनी वी, प्राची रामपाल।** वित्तीय समावेशन – सुकन्या समृद्धि योजना पर एक अध्ययन। IOSR जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट (IOSR – JBM), 2018, 01-03
3. **कुमार, संदीप (1 अप्रैल 2021)** ''जो लोग PPF या सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश कर रहे हैं, उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है – दर में कटौती को वापस ले लिया गया है।'' बिजनेस इनसाइडर।वत्तीय समावेशन – सुकन्या समृद्धि योजना पर एक अध्ययन
4. **डेब, आर।** ''सुकन्या समृद्धि योजना में बचत के निर्धारक : त्रिपुरा से प्रमाण''। इाईआईएम कोझीकोड सोसाइटी और प्रबंधन समीक्षा, वॉल्यूम 5(2) pp. 120-140, 2016
5. बेबी सारन्या के0 डॉ. आर0 हमसलक्ष्मी। **अंतर्राष्ट्रीय उन्नत शोध।** ISSN : 2320-5407, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑ। एडवांस्ड रिसर्च। 2018 ; 6(3) : 998-1004
6. मथुमिता एस0। ''कुम्बुम टाउन में डाकघर बचत योजनाओं के प्रति निवेशकों का दृष्टिकोण''। अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य, व्यवसाय और प्रबंधन पत्रिका। 2015; 4(6) : 798-806
7. **मिश्रा ऋचा और दमोदरण हरिश (2004)।** ''डाकघर बचत करने वालों के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प''। बिजनेस लाइन, 25 अगस्त, पृष्ठ–44
8. **रमेश कुमार एन0।** निवेशक दृष्टिकोण और डाकघर बचत योजनाओं के प्रति बचत पैटर्न – पोलाच्ची तालुक के ग्रामीण महिलाओं पर एक अध्ययन। अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन, आईटी और इंजीनियरिंग पत्रिका। 2018; 8(10) : 89-100
9. **रामेश्वर पी0 रसाल (2016)।** ''थाने जिला के डाकघर में सुकन्या समृद्धि योजना का अध्ययन''। रेक्स जर्नल ISSN 2321-1067, वॉल्यूम 3, इश्यू 3, पृष्ठ–168
10. **रोस्लिन, एस0 एण्ड रागवर्षिणी, के0पी0 (2023)** सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) के तहत् डाक विभाग में खाता ाारकों की संतोष। अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ एडवांस एंड एप्लाइड रिसर्च, 10(4), 1-7
11. **वाणी यू0 राम्या के0पी0। सुकन्या समृद्धि स्कीम इन कोइम्बटोरे सिटी।** अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आइैर इंजीनियरिंग पत्रिका। 2019 ; 9:448-455
12. **वेंकटचलम वी0 रविंद्र कुमार जी।** सुकन्या समृद्धि खाते के धारकों की स्वीकार्यता और संतोष का विश्लेषण। जर्नल ऑ। बिजनेस मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज रिसर्च (JBM & SSR) 2018 ; 7:33-39
13. **वेंकटचलम वी0 और डॉ0 जी0 रविंद्रन (2016)।** सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) के तहत् खाता धारक की संतोष के प्रति डाक विभाग में कोइम्बटूर शहर के संदर्भ में''। अंतर्राष्ट्रीय विपणन और मानव संसाधन प्रबंधन पत्रिका (IJMHRM) वॉल्यूम 7, इश्यू 3, सितम्बर–दिसम्बर (2016) pp. 71-81.
14. **शर्मा वी0के0।** ''सुकन्या समृद्धि योजना : एक SWOT विश्लेषण''। अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस जर्नल्स, वॉल्यूम 7, संख्या 17, मई 2015, ISSN 2348-4063, pp. 5-21.
15. **स0 अरूणप्रिया और रेवती, एन0 (2020)।** ''सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाता धारकों की जागरूकता और संतोष पर एक अध्ययन, विशेष रूप से तिरूपुर जिला के संदर्भ में।: अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य और प्रबन्धन अनुसंधान पत्रिका 6(1), 73-76.
16. सीए संदीप कनोई। ''सुकन्या समृद्धि योजना : कर और अन्य लाभ''। 19 अप्रैल 2016, axguru.in/income tax/Sukanya samriddhi account.